ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन

सितम्बर 2015 से दिसम्बर 2015 तक

(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail : gyanmv@gmail.com Mob.: 9219419405

website : www.gyanmahavidhyalaya.com

Gyan Vatika

1. महाविद्यालय को एम.एस-सी. (गणित एवं रसायन विज्ञान) की कक्षाएँ प्रारम्भ करने की मान्यता : 09 सितम्बर, 2015 को हमारे महाविद्यालय के सभागार में महाविद्यालय में सेवारत सभी प्राध्यापकों की गोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। इस गोष्ठी में डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा सत्र 2015-16 से महाविद्यालय में एम.एस-सी.(गणित एवं रसायन विज्ञान) की कक्षाएँ तथा बी.ए. की कक्षाओं में अन्य विषयों के साथ गृह विज्ञान एवं राजनीति विज्ञान की कक्षाएँ शुरू करने की मान्यता मिलने पर हर्ष व्यक्त किया गया।

2. महाविद्यालय में इग्नू की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन : 08 अक्टूबर, 2015 को महाविद्यालय के सरस्वती सभागार में इग्नू की इण्डक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में इग्नू के रीजनल डायरेक्टर डॉ. अमित चतुर्वेदी तथा सहायक रीजनल डायरेक्टर डॉ. एम.आर. फैसल के साथ-साथ हमारे महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री रामकिशन शर्मा तथा इसी अध्ययन केन्द्र के विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों में से इग्नू द्वारा चयनित काउन्सलर्स भी बैठक में उपस्थित थे। समन्वयक श्री रामकिशन शर्मा ने महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित सभी 10 कार्यक्रमों के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया तथा केन्द्र की अब तक की प्रगति से सभी को अवगत कराया। सहायक रीजनल डायरेक्टर डॉ. फैसल ने बताया कि इग्नू की स्थापना 1985 में हुई, सुदूर क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के विस्तार में इग्नू का विशेष योगदान है। इसके कार्यक्रमों की फीस अपेक्षाकृत कम है, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को फीस में विशेष रियायत दी जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अब इग्नू में ऑन लाइन परीक्षा भी शीघ्र शुरू की जायेगी।

डॉ. अमित चतुर्वेदी ने बताया कि इग्नू केन्द्र सरकार का विश्वविद्यालय है। इसके द्वारा दिये जाने वाले सभी प्रमाण पत्रों की मान्यता देश में स्थित केन्द्र सरकार के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा दिये जाने वाले प्रमाण पत्रों के समान है। परीक्षा के बाद परिणामों की घोषणा 45 दिन के अन्दर की जाती है। एक केन्द्र में प्रवेश लेने के बाद विद्यार्थी देश के किसी भी केन्द्र पर सुगमता से अपनी परीक्षा दे सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित नई शिक्षा नीति में खुली तथा दूरस्थ शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को एसाइनमेंट लिखने का तरीका बताया। उन्होंने आगे कहा कि बी.एड., बी.टी.सी. तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थी भी अपने अध्ययन के दौरान साथ में इग्नू के किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेकर परीक्षा दे सकते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने इग्नू के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों से अपील की कि वे इग्नू के कार्यक्रमों से अधिकाधिक लाभ उठायें।

3. अतिथि व्याख्यान

बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान : 29 अक्टूबर, 2015 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर वि.वि. आगरा के शिक्षा संकाय के पूर्व डीन डॉ. गिर्राज किशोर ने हमारे महाविद्यालय में "शिक्षण की धुरी - जिज्ञासा" विषय पर व्याख्यान दिया। विद्वान व्याख्याता ने बताया कि कक्षा में विद्यार्थी शिक्षक से नवीन ज्ञान शिक्षण विधि चाहते हैं, विद्यार्थी स्नेह तथा सम्मान भी चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षण में सोने (गोल्ड) जैसा आनन्द मिलता है तथा जिज्ञासा ही सम्पूर्ण ज्ञान की जननी है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षण में CHALK + TALK + WALK का होना आवश्यक है। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये।

भूगोल विभाग में अतिथि व्याख्यान : 26 नवम्बर, 2015 को पी.सी. बागला महाविद्यालय, हाथरस के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस.एल. गुप्ता ने "जल के महत्व" पर व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि ग्लोबल वार्मिंग तथा पेय जल के अंधाधुंध दुरूपयोग के कारण पेय जल का संकट पैदा हो रहा है -यदि यही क्रम जारी रहा तो निकट भविष्य में लोग पानी की बूँद-बूँद के लिए तरसेंगे इसलिए आम लोगों को जल संरक्षण के संबंध में जागरूक होने की आवश्यकता है।

उन्होंने भारत में पेय जल के बचाव हेतु इजराइल से सीख लेने का सुझाव दिया

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ0 ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्री गणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

Scanned by CamScanner

तथा बताया कि इजराइल में वार्षिक औसत वर्षा लगभग 25 सेमी. है फिर भी वहाँ के निवासियों को उपयोग हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध है। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये।

जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 28 नवम्बर, 2015 को जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान पालीवाल पी.जी. कॉलेज शिकोहाबाद में जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एम.पी. सिंह ने दिया। व्याख्यान का विषय ''संघ - पोरीफेरा, स्पंज'' था। विद्वान व्याख्याता ने बताया कि ये जन्तु (स्पंज) छिद्रित शरीर वाले होते हैं, श्वसन के लिए कुछ खास कोशिकायें होती हैं। इनकी पाचन क्रिया पानी के बहाव के साथ खाद्य कणों के पाचन के साथ पूरी होती है। इनका कंकाल तन्त्र विशेष स्केलेरो साइट कोशिकाओं का बना होता है, ये जलीय जीव प्राय: खारे पानी में पाए जाते हैं परन्तु ये ताजे पानी में भी होते हैं, जैसे - स्पोन्जिला।

अतिथि वक्ता ने क्रमबद्ध तरीके से विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान : 11 दिसम्बर, 2015 को स्थानीय श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में गणित विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पी.सी. गुप्ता ने हमारे महाविद्यालय में ''बेसिक कान्सैप्ट ऑफ मैथमैटिक्स'' विषय पर व्याख्यान दिया।

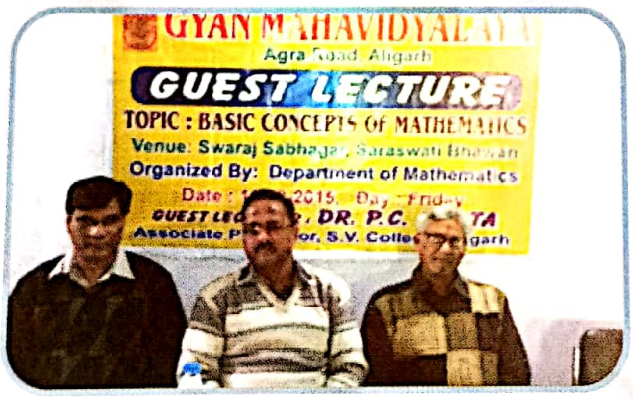

उन्होंने बी.एस-सी. तथा एम.एस-सी. के विद्यार्थियों को गणित की नई-नई तकनीक तथा सूत्रों से अवगत कराकर उदाहरण सहित यह सिद्ध किया कि नई तकनीकों से गणित का अध्ययन रोचक बनाया जा सकता है। विद्वान अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये।

समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान : 18 दिसम्बर, 2015 को स्थानीय टीकाराम कन्या महाविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सपना सिंह ने हमारे महाविद्यालय में ''बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं की प्रस्थिति'' विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने प्राचीन काल से अब तक महिलाओं की प्रस्थिति में हुए परिवर्तनों की सिलसिले वार व्याख्या कर विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। व्याख्यान का संयोजन कला संकाय प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने किया।

रसायन विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 22 दिसम्बर, 2015 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित चौधरी ने हमारे महाविद्यालय में "Roll of chemistry in service of mankind" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने पेय जल में पाये जाने वाले हानिकारक लवणों के प्रकार तथा उनसे होने वाली बीमारियों के बारे में बताने के साथ-साथ अशुद्ध पेय जल को शुद्ध करने के तरीके भी बताये और उपस्थित व्यक्तियों को पेय जल की बीच-बीच में जाँच कराने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। व्याख्यान का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. एच.एस. चौधरी ने किया।

4. विभागीय गतिविधियाँ

''सफलता अपनी मुठ्ठी में'' कार्यशाला का आयोजन : 07 दिसम्बर, 2015 को हमारे महाविद्यालय में जिलेट गार्ड व अमर उजाला के सहयोग से ''सफलता अपनी मुठ्ठी में'' - एक ग्रूमिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर सोनिया सारस्वत ने कौशल विकास, व्यक्तित्व और स्वयं को संभालने के तरीके बताकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

Scanned by CamScanner

हमारे महाविद्यालय के बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी नवीन कुमार सामान्य ज्ञान तथा सामूहिक चर्चा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विजेता बने, इन्हें अगले चरण की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। इस

कार्यशाला में अभिषेक सहित जिलेट गार्ड व अमर उजाला की टीम के साथ हमारे महाविद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धन से श्रीमती रितिका गोयल ने भी कार्यशाला में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संयोजन तथा संचालन क्रमशः डॉ. ललित उपाध्याय तथा शैफाली द्वारा किया गया।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों का विदाई समारोह : दिनांक 27.09.2015 को हमारे महाविद्यालय में लम्बे समय तक अपनी सेवाएँ देकर महाविद्यालय को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने वाले प्राध्यापक तथा प्रभारी आदि को विदाई दी गयी। विदा होने वाले प्राध्यापकों में से अधिकांश ने महत्वपूर्ण शासकीय सेवाओं में नियुक्त होने के कारण विदा ली है तथा कुछ अन्य विशिष्ट सेवाओं में नियुक्त होने के कारण महाविद्यालय से अलग हुए हैं। विदाई समारोह का आयोजन मैरिस रोड, अलीगढ़ स्थित होटल पाम-ट्री में शाम 07 बजे से किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के सभी सदस्यों तथा विदा लेने वाले सभी सदस्यों को सपरिवार आमंत्रित किया गया। विदाई समारोह में संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया। विदा लेने वाले

प्राध्यापकों में पूर्व उप प्राचार्य एवं परीक्षा अधीक्षक डॉ. एस.एस. यादव, पूर्व मुख्य अनुशासन अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी (एन.एस.एस.) डॉ. बी. डी. उपाध्याय, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी (एन.एस.एस.) डॉ. (श्रीमती) अन्तिमा कुलश्रेष्ठ, डॉ. विनीत कुमार, श्री प्रवीन कुमार, श्रीमती रंजना सिंह, श्री पुष्पेन्द्र सिंह, श्री अनंत कुमार, सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के अनुदेशक श्री जितेन्द्र सिंह तथा महाविद्यालय के भवन प्रभारी श्री यतेन्द्र कुमार शर्मा शामिल हुये। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री दीपंकर चौधरी जी थे। श्री के.डी. अहुजा, भारत पैट्रोलियम ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय प्रबंधन की श्रीमती आशा देवी (अध्यक्षा), श्री दीपक गोयल जी (चेयरमेन), श्रीमती रितिका गोयल, श्री बिजेन्द्र मलिक, श्री अवि प्रकाश मित्तल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, प्रबंधक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। विदा होने वाले सभी व्यक्तियों ने महाविद्यालय से जुड़े अपने-अपने अनुभव बताये।

अनेक व्यक्ति विदा होते समय अत्यधिक भावुक हो गए। चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने विदा लेने वाले व्यक्तियों की मुक्त कण्ठ से सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि विदा लेने वाले व्यक्ति आगे भी महाविद्यालय की प्रगति में अपना-अपना सहयोग देते रहेंगे। महाविद्यालय प्रबंधन ने विदा होने वाले व्यक्तियों को प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सभी उपस्थित व्यक्तियों ने पॉम-ट्री होटल में एक साथ शाकाहारी भोजन का आनन्द लिया।

महाविद्यालय की दो प्राध्यापिकाओं ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण की : हमारे महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा (बी.एड.) विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत व सुश्री भावना सारस्वत ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जून, 2015 में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की। महाविद्यालय प्रबंधन ने दोनों प्राध्यापिकाओं को बधाई देकर उनके सुखद व उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विज्ञान क्विज का आयोजन : 04 नवम्बर, 2015 को हमारे महाविद्यालय के विज्ञान संकाय व विज्ञान प्रसार (विज्ञान एवं तकनीकी विभाग) भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान क्विज व डॉकूमेन्ट्री फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया। विज्ञान क्विज का संचालन विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक सचिन नरवादिया ने किया।

विज्ञान क्विज में 5 टीम के 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक टीम में बी.एस-सी. के पाँच विद्यार्थी सम्मिलित रहे। क्विज प्रतियोगिता में बहुविकल्पी, दृश्य-श्रव्य के चार राउण्ड हुए। इसमें डॉ. सी.वी. रमन टीम के सदस्य रश्मि सारस्वत, आकाश राघव, आलोक नाथ राहुल तथा अनुज कुमार विजेता बने। साजिया डमर, याचिका गुप्ता, बंदना सिंह, कु. अंजलि तथा चंचल यादव की डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम टीम उप विजेता रही। शिखा पालीवाल, सचिन, पवन कुमार, मिन्टू महन्तो व गौरव कुमार की रावर्टसन टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान वी.एस.जे. फिल्म्स के डायरेक्टर श्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि विज्ञान क्विज विद्यार्थियों में एक विशेष दृष्टिकोण विकसित करता है। वैज्ञानिक सचिन नरवादिया ने विज्ञान प्रसार के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

अलीगढ़ को 20 स्मार्ट शहरों में शामिल करने हेतु संवाद : 18 नवम्बर, 2015 को हमारे महाविद्यालय तथा सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के विद्यार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों की गोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता तथा ज्ञान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री अजय कान्त पाठक की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया

Scanned by CamScanner

अलीगढ़ नगर निगम के सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर श्री सोमेन्द्र कुलश्रेष्ठ तथा मुकुल शर्मा ने भी गोष्ठी में भाग लिया।

नगर निगम के उक्त दोनों अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को अलीगढ़ शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए एस.एम.एस. द्वारा व्यावहारिक सुझाव देने की प्रकिया विस्तार से बताई तथा अपील की कि अधिक से अधिक व्यक्ति अपने-अपने स्तर से सुझाव भेजें ताकि अलीगढ़ को पहले 20 स्मार्ट शहरों में शामिल किया जा सके।

अलीगढ़ को स्मार्ट शहर बनाने के पक्ष में हमारे महाविद्यालय की प्रतिभागिता : 23-11-2015 को अलीगढ़ नगर निगम के कर अधीक्षक श्री हरिकृष्ण गुप्ता के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल हमारे महाविद्यालय आया।

इस दल ने हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रेरित कर हमारी कम्प्यूटर लैब में वोटिंग कराई। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने नगर निगम की टीम को धन्यवाद दिया।

महाविद्यालय में ''ध्यान'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला : हमारे महाविद्यालय में दिनांक 26.11.2015 से 28.11.2015 तक ''ध्यान'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्री रामचन्द्र मिशन शाहजहाँपुर द्वारा किया गया। मिशन के प्रतिनिधि श्रीमती बीना पाठक, सर्वश्री पी.एल. वर्मा, हरिओम सारस्वत और शिव कुमार पाठक ने कार्यक्रम आयोजित किए।

इस आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने तनाव मुक्ति की प्रक्रिया के अन्तर्गत सभागार में उपस्थित व्यक्तियों को ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने ध्यान की महत्ता के विषय में भी बताया। कार्यक्रम का संयोजन बी.टी.सी. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती वैशाली अग्रवाल ने किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने योग विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

नव नियुक्त प्राध्यापकों का उन्मुखीकरण : हमारे महाविद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र में नियुक्त प्राध्यापकों का तीन दिवसीय उन्मुखीकरण दिनांक 28, 29 तथा 31 दिसम्बर, 2015 को महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भी भाग लिया। चयनित वरिष्ठ प्राध्यापकों ने ही प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वाह किया। उन्मुखीकरण के प्रथम दिन स्थानीय डी.एस. कॉलेज में शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रथम सत्र में शिक्षक शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती सरिता याजनिक ने ''सम्प्रेषण कौशल'' पर अपना व्याख्यान दिया।

उन्होंने कौशल की परिभाषा, प्रकार, सिद्धान्त, उद्देश्य, बाधाएँ तथा माध्यमों की विस्तार से व्याख्या की और उपस्थित प्राध्यापकों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। द्वितीय सत्र में बी.टी.सी. की वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती शोभा सारस्वत ने 'समाज में अध्यापक की भूमिका' पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने आदिकाल से वर्तमान समाज तक अध्यापक की भूमिका की सिलसिलेवार व्याख्या कर स्पष्ट किया कि अध्यापक समाज को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश देकर सही दिशा में चलने की प्रेरणा देता है। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्रबंधक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने कार्यक्रम में भाग लेकर प्रशिक्षक व प्रशिक्षणार्थियों का मनोबल बढ़ाया। मुख्य अतिथि महोदय ने कहा कि सफल अध्यापन हेतु अध्यापक को अनुशासित रहकर अपने विषय का विशेषज्ञ बनकर अच्छा सम्प्रेषक होना चाहिए।

दूसरे दिन के उन्मुखीकरण में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जे.पी. सिंह उपस्थित रहे। शिक्षक शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी ने ''टीचिंग मैथडोलॉजी'' पर अपने रोचक व्याख्यान के दौरान शिक्षण की अवधारणा, परिभाषा, प्रकृति, आधारभूत आवश्यकता, वातावरण, चरण तथा अच्छे शिक्षण की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने कथन को जीवंत बनाने के लिए वीडियो तथा व्यावहारिक उदाहरणों को आधार बनाया और प्राध्यापकों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। श्री पुष्पेन्द्र मोहन वार्ष्णेय ने अपने व्याख्यान में ई-कामर्स के इतिहास, प्रक्रिया, भविष्य तथा इसके प्रयोग में बरती जाने वाली सावधानियों को रोचक ढंग से उदाहरण देकर प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. सिंह ने कहा कि शिक्षक का सबसे अच्छा मूल्यांकन उसके विद्यार्थी करते हैं, अध्यापक में कुछ कर गुजरने की तमन्ना होनी चाहिए, उसे पढ़ाने की कला आनी चाहिए तथा उसमें आत्म विश्वास भी होना चाहिए। महाविद्यालय के चेयरमेन, प्रबंधक व प्राचार्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के तीसरे दिन अ. मु. विश्वविद्यालय में शिक्षा संकाय की एसो. प्रो. डॉ. पुनीता गोविल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। शिक्षक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने 'शिक्षण कौशल' पर विश्लेषणात्मक व्याख्यान दिया। श्री अखिलेश कौशिक प्राध्यापक ने ''शिक्षण में आई.सी.टी. की भूमिका पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने आई.सी.टी. की परिभाषा, सम्प्रेषण के प्रकार तथा तकनीक, शिक्षा के क्षेत्र में आई.सी.टी. की उपयोगिता और भविष्य में सम्भावित उपयोग के साथ-साथ इसके प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों तथा बरती जाने वाली सावधानियों की सिलसिलेवार व्याख्या की। मुख्य अतिथि डॉ. पुनीता गोविल ने पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन बनाने में बरती जाने वाली सावधानियों का जिक्र करते हुए उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षकों के व्याख्यान की मुख्य-मुख्य बातों को उजागर करने के साथ-साथ प्राध्यापकों के प्रश्नों के उत्तर दिये। सभी प्रशिक्षणार्थियों से मूल्यांकन फार्म भरवाकर तीन दिवसीय कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया। अन्त में प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संयोजन शिक्षक प्रशिक्षण विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सारस्वत ने किया।

Scanned by CamScanner

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता : 08 दिसम्बर, 2015 को महाविद्यालय में अध्ययनरत बी.ए., बी.एस-सी. तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ओ.एम.आर. सीट का प्रयोग किया गया।

उक्त प्रतियोगिता में 356 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी रोहन गौतम ने प्रथम, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी गौरव कुमार ने द्वितीय तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी वीरेन्द्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल तथा कला संकाय प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा के संयुक्त निदेशन में किया गया।

बहु विकल्पीय टैस्ट का आयोजन : 11 दिसम्बर, 2015 को बी.ए. के विद्यार्थियों का विषयों से सम्बन्धित टैस्ट लिया गया।

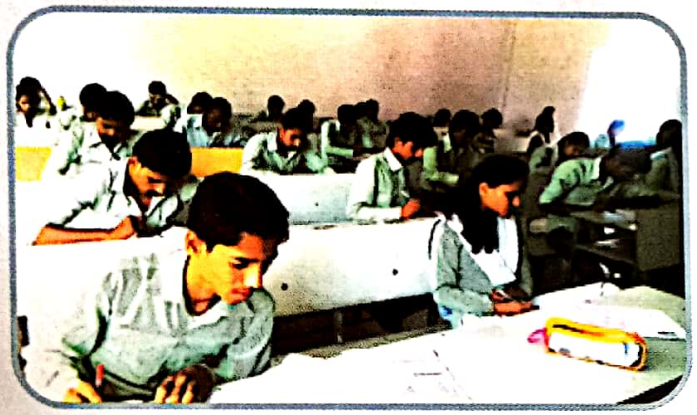

इस टैस्ट में ओ.एम.आर. सीट का प्रयोग किया गया। इस टैस्ट में प्रदीप कुमार ने प्रथम, दीपिका वर्मा ने द्वितीय व सूरज वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन कला संकाय के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने किया।

5. विभिन्न दिवसों का आयोजन

महाविद्यालय का संस्थापक दिवस समारोह : दिनांक 11.09.2015 को महाविद्यालय परिसर में संस्थापक दिवस समारोह ज्ञानार्जन दिवस के रूप में मनाया गया। उ.प्र. सरकार के पूर्व मुख्य सचिव, रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव तथा राज्य सभा के पूर्व सैक्रेटरी जनरल डॉ. योगेन्द्र नारायन आई.ए.एस. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. आर.के. भटनागर (वरिष्ठ आई.ए.एस.) समारोह में मानद अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अतिथियों के स्वागत तथा सरस्वती वन्दना के बाद उप प्राचार्य डॉ. रेखा शर्मा ने मुख्य अतिथि महोदय का परिचय दिया तथा डॉ. रत्न प्रकाश ने माननीय मुख्य अतिथि द्वारा जिलाधिकारी के रूप में मुजफ्फर नगर जिले में बावरिया समुदाय के विकास के लिए किये गये कार्यों का विश्लेषणात्मक उल्लेख किया। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति तथा महाविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। डॉ. ललित उपाध्याय ने महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों में समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों व स्वराज्य स्वावलम्बी एवं ज्ञान स्वराज्य योजना व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों का उल्लेख किया। मानद अतिथि डॉ. आर.के. भटनागर (आई.ए.एस.) ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ज्ञान महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने महाविद्यालय को ज्ञान का भण्डार बताया और कहा कि उपलब्धि के हिसाब से महाविद्यालय का प्रचार अपेक्षाकृत कम है।

उप प्राचार्य डॉ. एस.एस. यादव ने विशिष्ट अतिथि डॉ. कृपाल सिंह, सदस्य, अलीगढ़ विकास प्राधिकरण का परिचय दिया तथा मुख्य अतिथि

महोदय ने श्री कृपाल सिंह को शॉल उढ़ाकर उनका स्वागत किया। श्री कृपा सिंह ने कहा कि उन्होंने राजमार्ग से ज्ञान महाविद्यालय तक रोड पक्का कराव अपना वायदा पूरा किया है और भविष्य में भी वे महाविद्यालय के विकास सहयोग देते रहेंगे। उन्होंने नैतिक शिक्षा पर बल दिया। वरिष्ठ पत्रकार चन्द्रशेखर जी ने महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल को कुश चिकित्सक के साथ-साथ एक कर्मठ समाज सेवी एवं शिक्षा शास्त्री बताया उनके जीवन से संबंधित प्रेरक संस्मरण बताये।

मुख्य अतिथि डॉ. योगेन्द्र नारायन (पूर्व मुख्य सचिव, उ.प्र. सरकार अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान महाविद्यालय में आधुनिकतम तकनीकों उपयोग किया जा रहा है, इससे यहाँ के विद्यार्थी विकसित देशों के विद्यार्थि समकक्ष स्वयं को विकसित कर सकेंगे। उन्होंने महाविद्यालय की सामा

सरोकार समिति के कार्यों की सराहना की तथा अपनी संस्कृति को र विदेशी संस्कृतियों की अच्छी बातें अपनाने की अपील की। उन्होंने को सलाह दी कि वे अपना उद्‌देश्य निर्धारित कर तदनुरूप कार्य क

Scanned by CamScanner

सभी प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। श्री अमित जैन ने भी अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ज्ञान अर्थ तथा ज्ञान विज्ञान का विमोचन सभी अतिथियों ने किया। कार्यक्रम के बीच-बीच में विद्यार्थियों ने अनेक मनोरंजक तथा शिक्षाप्रद रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य श्री अवि प्रकाश मित्तल, श्री अनिल खन्डेलवाल तथा श्री इंद्रेश कौशिक सपत्नीक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री असलूब अहमद, कोषाध्यक्ष ज्ञान महाविद्यालय भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल के परिवार के श्री चाँद गोयल (पूर्व मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार), श्री लाल गोयल (सपत्नीक), श्री दीपक गोयल (चेयरमेन), श्रीमती आशा देवी (अध्यक्षा), श्री ऋषि गोयल, डॉ. गौतम गोयल तथा श्रीमती रितिका गोयल कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों को प्रतीक चिह्न देकर अध्यक्षा महोदया ने सम्मानित किया। अन्त में चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत एवं ऋत्विजा मित्तल ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर, श्रीमती शोभा सारस्वत तथा डॉ. बीना अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने एक साथ भोजन किया।

हिन्दी दिवस का आयोजन : 14 सितम्बर, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन की संयोजिका एवं महाविद्यालय की साहित्यिक समिति की प्रभारी श्रीमती सरिता याजनिक ने हिन्दी के अन्तर्राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला तथा हिन्दी के क्षेत्र में विशिष्ट विद्वानों के योगदान की चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध भाषाविद् डॉ. रघुवीर जी के अनुसार भाषा राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। बी.एड. तथा बी.टी.सी. के अनेक विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कुछ विद्यार्थियों ने स्वरचित कवितायें भी सुनायी।

उप प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने कहा कि प्राय: हिन्दी भाषी भारतीय लोग हिन्दी बोलने में हीनता का अनुभव करते हैं तथा अंग्रेजी बोलने में गर्व का अनुभव करते हैं लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि हिन्दी एक समृद्ध भाषा है। हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र सिंह ने हिन्दी के विकास को संतोषजनक बताया तथा विभिन्न विश्व हिन्दी सम्मेलनों के महत्व को उजागर किया। हिन्दी विभाग की डॉ. बीना अग्रवाल ने कहा कि हिन्दी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। गूगल माइक्रोसोफ्ट, एप्पल पर नामी साफ्टवेयर कम्पनियाँ हिन्दी में कार्य कर रही हैं। हिन्दी की प्रख्यात लेखिका मृदुला सिन्हा के अनुसार ''हिन्दी हृदय की भाषा है तथा अंग्रेजी पेट की भाषा''। श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी ने समाज के उत्थान में हिन्दी साहित्य के योगदान की चर्चा की। सुश्री भावना सारस्वत ने कहा कि यदि भारत में सभी विषयों के शोध प्रबंध हिन्दी में लिखे जायें तो हिन्दी का महत्व और अधिक बढ़ जायेगा। डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि हिन्दी भाषा की बड़ी विशेषता है कि वह दूसरी भाषा के शब्दों को भी अपने में समाहित कर लेती है। उप प्राचार्य डॉ. एस.एस. यादव ने कहा कि अंग्रेजी बोलने का अच्छा अभ्यास न होने के कारण योग्य वकील उच्च तथा सर्वोच्च न्यायालय में मुकदमे नहीं लड़ पाते हैं। श्रीमती वैशाली अग्रवाल ने कार्यक्रम के अन्त में विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. की छात्रा कविता राजपूत तथा बसुन्धरा सिंह ने किया।

गांधी जयन्ती व शास्त्री जयंती का आयोजन : 01 अक्टूबर, 2015 को महाविद्यालय परिसर में गांधी जी तथा शास्त्री जी की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती सरिता याजनिक ने मोहन दास कर्मचन्द गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंगों से उपस्थित व्यक्तियों को अवगत कराया। महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों ने दोनों नेताओं के महत्वपूर्ण कार्यों को उजागर किया। बी.टी.सी. तथा बी.एड. के अनेक विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. की छात्रा मेघाली एवं प्रतिज्ञा ने किया।

6. ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्यक्रम

: सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए महाविद्यालय में ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति कार्यरत है, इस समिति के प्रभारी कला संकाय के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा हैं। इस समिति के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा स्वराज्य स्वावलम्बी योजना तथा स्वराज्य ज्ञान योजना संचालित हैं -

(अ) स्वराज्य स्वावलम्बी योजना : समाजिक दायित्वों के तहत ज्ञान महाविद्यालय ने निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेह खाँ को सन् 2012 में गोद लिया। इस गाँव में अगस्त 2012 में स्वराज्य स्वावलम्बी योजना का श्री गणेश शहर विधायक माननीय जफर आलम की उपस्थित में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने किया। इस योजना की शुरूआत महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल की धर्मपत्नी एवं वर्तमान चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी की माताजी स्वर्गीया श्रीमती स्वराज्य लता गोयल की स्मृति में की गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गाँव की महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के साथ-साथ ग्रामीणों को उनके चहुँमुखी विकास के लिये जागरूक करना है।

इस योजना के अन्तर्गत बढ़ौली फतेह खाँ की निवासी महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर चुकी या महाविद्यालय में अध्ययनरत लड़की की शादी में एक सिलाई मशीन उपहार स्वरूप दी जाती है, जिससे वह अपनी आजीविका कमा कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सके। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये इस गाँव की लड़कियों के लिये हमारे महाविद्यालय में बी.ए. तथा बी.एस-सी. (जेड.बी.सी.) में प्रवेश लेने पर शिक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत भाग छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 30 सिलाई मशीनें दी जा चुकी हैं, इसी गाँव की 27 लड़कियों को 50 प्रतिशत शिक्षण शुल्क छात्रवृत्ति के रूप में दिया जा चुका है।

महाविद्यालय के सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. में प्रवेश लेने वाले इस गाँव के विद्यार्थियों को पूरे कोर्स की फीस में 4,000/- रू. की विशेष छूट दी जाती हैं। समिति के सदस्य समय-समय पर गाँव में जाकर ग्रामीणों के साथ

Scanned by CamScanner

सामाजिक बुराइयों, अन्धविश्वास तथा ग्राम विकास के बारे में चर्चा करते रहते हैं, जिससे ग्रामीण अन्धविश्वास तथा सामाजिक बुराइयों से बचकर अपना चहुँमुखी विकास कर सकें। जैसे - ग्राम पंचायत, ब्लाक पंचायत तथा जिला पंचायत के चुनाव से पहले ग्रामीणों के साथ चुने जाने वाले प्रतिनिधियों के कर्तव्य तथा अधिकारों के बारे में चर्चा की गई ताकि वे चुने जाने वाले प्रतिनिधि की उपयोगिता के महत्व का आंकलन कर पद के योग्य उम्मीदवार का चयन कर सकें।

(ब) स्वराज्य ज्ञान योजना : इस योजना का श्री गणेश सत्र 2013-14 में महाविद्यालय ने किया। ज्ञान सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत यह योजना महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल की धर्मपत्नी एवं वर्तमान चेयरमैन श्री दीपक गोयल जी की माताजी स्वर्गीया श्रीमती स्वराज्य लता गोयल की स्मृति में शुरू की गई। इस योजना के अन्तर्गत अब तक महाविद्यालय के निकटवर्ती चौदह गाँव गोद लिये गये हैं। ये गाँव हैं - बढ़ौली फतेह खाँ, हाजीपुर चौहट्टा, पडियावली, सराय हर नारायन, सराय बुर्ज, मुकन्दपुर, मईनाथ, न्हौटी, मड़राक, मन्दिर का नगला, ईशनपुर, चिरौलिया दाउद खाँ, हाजीपुर फतेह खाँ तथा कमालपुर।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये इन गाँवों की लड़कियों के लिये हमारे महाविद्यालय में बी.ए. तथा बी.एस-सी. (जेड.बी.सी.) में प्रवेश लेने पर इन्हें शिक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत भाग छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाता है। अब तक इन गाँवों की 57 छात्राएँ लाभान्वित हो चुकी हैं। महाविद्यालय के सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. में प्रवेश लेने वाले इन गाँवों के विद्यार्थियों को पूरे कोर्स की फीस में 4000/- रू. की विशेष छूट दी जाती हैं। अब तक इन गाँवों के 76 छात्र लाभान्वित हो चुके हैं।

"इन चौदह गाँवों के जरूरतमन्द पाँच-पाँच व्यक्तियों को शीत ऋतु के दौरान एक-एक कम्बल इस योजना के अन्तर्गत उपहार में दिया जाता है। इस प्रकार प्रतिवर्ष 70 कम्बल उपहार में दिये जाते हैं।

"सामाजिक सरोकार समिति" के सदस्य महाविद्यालय में सेवारत शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग तथा विद्यार्थियों के सहयोग से प्रत्येक वर्ष उपयोगी गर्म कपड़े एकत्र करते हैं तथा शीत ऋतु में ये कपड़े गोद लिये गये गाँवों के जरूरतमन्द व्यक्तियों तथा इन गाँवों के क्षेत्र में ईंट भट्टा आदि पर काम करने वाले जरूरतमंद मजदूरों को वितरित किये जाते हैं। इससे एक ओर लोगों के पास रखे अनावश्यक कपड़ों का सदुपयोग होता है दूसरी ओर जरूरतमन्द लोगों की आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है, साथ ही इस कार्य में लगे विद्यार्थियों आदि को भी आत्म सन्तुष्टि मिलती है।

दीपावली के त्योहार के अवसर पर गोद लिये गये गाँवों में सरकारी भवनों तथा जरूरतमन्द ग्रामीणों के घर दीपक जलाने के लिए तेल, बाती तथा दीये इस योजना के अन्तर्गत दिये जाते हैं ताकि इस प्रकाश पर्व पर किसी भी मकान में अन्धेरा न रहे। इस वर्ष 10 नवम्बर, 2015 को ज्ञान ज्योति उप योजना के अन्तर्गत गोद लिए गये सभी उपर्युक्त 14 गाँवों के हमारे महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय बुलाकर चेयरमेन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने तेल, बाती तथा दीये सौंपे, दीपावली के दिन इन विद्यार्थियों ने अपने-अपने गाँव के सरकारी भवनों पर दिये जलाये तथा जरूरतमन्द लोगों को दीये, तेल, बाती दिये ताकि वे दीपावली के अवसर पर अपने घर में रोशनी कर सकें।

"महाविद्यालय में आयोजित विशेष अवसरों पर गोद लिये गाँवों के निर्वाचित प्रधानों को बुलाया जाता है ताकि वे महाविद्यालय में उपलब्ध सभी सुविधाओं का लाभ अपने-अपने ग्रामवासियों को दिलवा सकें। इस प्रकार के कार्यक्रमों में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी बुलाया जाता है ताकि गाँव के प्रधान अपने गाँव की समस्याओं के निराकरण के लिये सम्बन्धित अधिकारियों से विचार-विमर्श कर सकें।

"गोद लिये गये गाँवों में से चार गाँव - मड़राक, मुकन्दपुर, मन्दिर का नगला तथा पडियावली में महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा शिविर तथा गोष्ठियों का आयोजन किया गया है। इस प्रकार इन चार गाँवों के प्रत्येक परिवार से व्यक्तिगत सम्पर्क कर महाविद्यालय के स्वेच्छासेवियों ने उन्हें जागरूक किया है।

"बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण बचाओ (वृक्ष लगाना एवं वृक्षों की उपयोगिता) ज्ञान गंगा परिचय यात्रा, जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (शौचालय, बच्चे हाथ धोयें साफ रहें) प्रधानमंत्री बीमा योजना तथा शिक्षा के महत्व के बारे में इन गाँवों के लोगों से गाँवों में जाकर विचार-विमर्श किया जाता है।

7. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन : 24 सितम्बर, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में इस दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव, शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति सम्मिलित हुए। श्री किशन स्वरूप पाराशर, प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सासनी गेट, अलीगढ़ ने इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पानी बचाओ अभियान से जुड़े युवा श्री मणिरावत अर्जुन तथा पत्रकार श्री राज नारायण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललि उपाध्याय ने बताया कि इस योजना की शुरूआत 24 दिसम्बर, 1969 को देश 37 विश्वविद्यालयों में हुई थी, इसलिए हर वर्ष देश में यह दिन राष्ट्रीय से योजना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान देश के 250 विश्वविद्यालयों में 32 लाख से अधिक विद्यार्थी एन.एस.एस. स्वेच्छासेवी हैं। मुख्य अतिथि महोदय ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योज प्रधानमंत्री जन-धन योजना तथा अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अन्तर्गत मात्र 12 रूपये वार्षिक प्रीमियम में दो लाख रूपये का जोखिम क किया जाता है, इसलिए यह बीमा हर पात्र व्यक्ति को अवश्य कराना चा

Scanned by CamScanner

विशिष्ट अतिथि श्री मणि रावत अर्जुन ने कहा कि अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से करना ही समाज सेवा है। उन्होंने पर्यावरण व जल संरक्षण के मुद्दों पर युवाओं को सम्बोधित किया। पत्रकार श्री राज नारायण सिंह ने कहा कि समाज

सेवा से स्वेच्छासेवियों को आत्म संतुष्टि मिलती है। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने श्री मणि रावत अर्जुन को ज्ञान मित्र सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया तथा उनके सहयोगी सर्व श्री विक्रम सिंह, धर्मेन्द्र यादव तथा अनुज कुमार को भी सम्मानित किया गया। चेयरमेन महोदय ने कहा कि सभी व्यक्तियों को अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों का बीमा अवश्य कराना चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर में प्रतिनिधित्व : अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एण्ड एलाइड स्पोर्ट्स मनाली के क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केन्द्र पोंग बाँध, जिला कागड़ा (हिमाचल प्रदेश) में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक शिविर का आयोजन 30 सितम्बर, 2015 से 09 अक्टूबर, 2015 तक किया गया। इस शिविर में उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के अनेक विश्वविद्यालयों की एन.एस.एस. इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वेच्छासेवियों ने प्रतिभाग किया। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, आगरा विश्वविद्यालय के दस सदस्यीय स्वेच्छासेवियों के दल का नेतृत्व हमारे महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने

किया। इस दस सदस्यीय दल में हमारे महाविद्यालय के तीन स्वेच्छासेवी सर्व श्री मिन्टू मोहन्तो, पवन कुमार व सद्दाम हुसैन थे।

इस साहसिक शिविर में प्रभारी श्री राकेश कुमार, प्रशिक्षक सर्व श्री दीपक ठाकुर, संजीव कुमार, बिट्टू तथा विजय सिंह ने कार्यक्रम अधिकारी और स्वेच्छासेवियों को जल सुरक्षा, बाढ़, आपदाप्रबंधन, क्याकिंग, सिलिंग, राफ्टिंग, वाटर सर्फिंग, कैनोरंग, स्विमिंग, माउंटेनियरिंग आदि के बारे में बताया और साहसिक कार्य पोंग बाँध में कराए। कार्यक्रम से वापस आने पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, वि.वि. आगरा के कार्यक्रम समन्वयक, हमारे महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्रबंधक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी तथा तीनों स्वेच्छासेवियों को बधाई दी।

रक्त दान शिविर : 19 नवम्बर, 2015 को हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के सहयोग से मलखान सिंह जिला चिकित्सालय अलीगढ़ के चिकित्सकों ने महाविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हीरा सिंह के नेतृत्व में सर्वश्री यतेन्द्र सिंह, वीरपाल सिंह, अरविन्द कुमार, नवीन कुमार, श्री कुमार तथा श्रीमती प्रीति गुप्ता की टीम ने उक्त शिविर का आयोजन किया। हमारे महाविद्यालय तथा सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के 55 विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों ने एक-एक यूनिट रक्त दान किया। रक्त दान के बाद महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में डॉ. हीरा सिंह ने रक्त दान के विषय में फैली भ्रांतियों का निवारण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता, ज्ञान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री अजय कान्त पाठक तथा डॉ. हीरा सिंह ने सभी रक्त दाताओं को सम्मानित किया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने जिला चिकित्सालय की टीम का आभार व्यक्त किया।

मानवाधिकार दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन : 10 दिसम्बर, 2015 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में ''मानव अधिकार एक मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार है'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने कहा कि 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत और घोषित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए।

उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने कहा कि मानवाधिकार मनुष्य के वे मूलभूत

सार्वभौमिक अधिकार हैं, जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि किसी भी कारक के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता। एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्यों की जानकारी दी तथा संगोष्ठी का संयोजन किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

Scanned by CamScanner